

Buddhism in Everyday Life

Founder's Reflections

मन का पोषण करना जो दूसरों के सुख और दुःख को साझा करता है

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निच्चिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

Living the Lotus
Vol. 191 (August 2021)

Senior Editor: Keiichi Akagawa
Editor: Kensuke Osada
Copy Editor: Parmita Shekhar

Living the Lotus is published monthly by Rishso Kosei-kai International, Fumon Media Center, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan.
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

चाहे कितने भी सूत्र पढ़ लें, हम वास्तव में बौद्ध धर्म को केवल इस से नहीं समझ सकते हैं।

जब तक हम लोगों को धर्म से नहीं जोड़ते हैं या धर्म के साथ उनके सम्बन्ध को बढ़ाने के लिए काम नहीं करते हैं, तब तक हम वास्तव में बुद्ध की शिक्षा को समझ नहीं पाते हैं। इसी तरह, अगर हम लोगों के मन को नहीं समझते हैं और उनकी भावनाओं को साझा नहीं करते हैं, हम बुद्ध की करुणा की गहराई को नहीं समझ सकते हैं।

यह उन लोगों के लिए विशेष रूप से सच है, जिन्होंने साथी सदस्यों की आध्यात्मिक उत्थान करने के लिए धर्म केंद्रों की जिम्मेदारियों को स्वीकार किया है। भले ही आप लोगों को यह या वह करने के लिए प्रोत्साहित करके उनकी मदद करना चाहते, लेकिन वे वह नहीं करेंगे जिसकी आप आशा करते हैं।

ऐसे समय में जब आप परेशान और व्याकुल होते हैं कि उनसे कैसे पार पाया जाए, तो आप दूर जाने का सोच सकते हैं - आप अपनी क्षमताओं की सीमाओं को पहचानने के लिए भी मजबूर हो सकते हैं। लेकिन यह अनुभव ही वह शिक्षा है जो आपको विकसित करती है।

इस आंतरिक संघर्ष के माध्यम से ही आप धीरे-धीरे दूसरों के मन को समझने में सक्षम हो सकते हैं। और जब आप कर सकते हैं, तो बुद्ध की करुणा आपकी गहराई में पैठ जाएगी क्योंकि आप जानेंगे कि बुद्ध कैसा अनुभव करते हैं जब वे हम में से प्रत्येक के जागने की प्रतीक्षा करते हैं। जितना अधिक तुम बुद्ध के विचारों को समझोगे, उतना ही अधिक तुम उनके करुणामय चित्त को प्राप्त कर पाओगे।

निक्क्यो निवानो, काइसो जुइकान 10 (कोसेइ प्रकाशन, 1997), पीपी. 128-129

“लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ” का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।



President's Message

अपने दिमाग में दरारों को सील करना

निचिको निवानो
प्रेसिडेण्ट, रिश्शो कोसेइ काइ

हमारे दिमाग में दानव और बुद्ध दोनों हैं

बौद्ध धर्म हमें सिखाता है कि लालच, क्रोध और अज्ञानता बुनियादी भ्रम है, जो लोगों के मन में विष घोलते हैं। मन किसी भी स्थिति में आवश्यकता से अधिक की चाह रखता है और नहीं जानता कि कैसे संतुष्ट होना है। लालची, क्रोधी, और वास्तव में सच्चाई को नहीं समझनेवाला मन, केवल तत्काल भविष्य में अज्ञान, ईर्ष्या, घृणा और कलह पैदा करता है और हमें पीड़ित करता है।

मानव होने का अर्थ है इन भ्रमों का होना, जिन्हें अक्सर “तीन विष” कहा जाता है, इसलिए निश्चित रूप से वे बुद्ध में भी मौजूद थे। हालाँकि, हमारे और बुद्ध के बीच का अंतर हमारी इच्छाओं और क्रोध पर लगाम लगाने में कठिनाई है। जब हम अपने लोभ या क्रोध पर दृढ़ नियन्त्रण करने में असमर्थ होते हैं, तो हम अनजाने में उतावला होकर कार्य करते हैं या कुछ बुरा करते हैं, जो हमारे बोझ को और अधिक बढ़ा देता है।

ऐसे समय में, हम अक्सर ऐसी बातें कहते हैं, “मुझे एक दुष्टात्मा ने परीक्षा दी।” बौद्ध शब्दों में, यह “दानव” एक ऐसा मारा है जो दूसरों को नुकसान पहुँचाता है या हमारे दिमाग को विचलित और परेशान करता है, हमारे शिक्षण के अभ्यास में बाधा डालता है।

हालाँकि, राक्षस हमारे मन पर बाहर से आक्रमण नहीं करते हैं। जिस प्रकार देवता और बुद्ध हमारे अपने मन का प्रक्षेपण हैं, उसी प्रकार दानव भी हमारे अपने मन के उत्पाद हैं।

सौभाग्य से, पुण्डरीक सूत्र का परिवर्त-26.धारणी, हमें बताता है कि धारणी का पाठ करने से, भले ही राक्षस हमारी कमजोरियों की जाँच करें, वे उनका लाभ नहीं उठा पायेंगे। इसलिए, भले ही आपका मन लालची इच्छा से भरी “भूखी आत्माओं” को जन्म देता और आप किसी न किसी चीज़ के लिए तरसने लगते हैं, जब तक आपके पास एक धारणी है, तब तक आप अपने मन पर लगाम लगा सकते हैं, इससे पहले कि वह जंगली हो जाय।

शब्द जो हमें हमेशा मेहनती रहने के लिए प्रोत्साहित करता है

लेकिन धारणी वास्तव में क्या है? और हम उन्हें कैसे प्राप्त करते हैं? रिश्शो कोसेइ काइ धारणी को सभी प्रकार की बुराईयों को रोकने और सभी प्रकार की अच्छाईयों को बढ़ावा देने की शक्ति के रूप में परिभाषित करता है। यह यह भी बताता है कि धारणी रहस्यमय शब्द है, जो उसके पाठ के माध्यम से आपको सीधे बुद्ध की सीमा में प्रवेश करने की अनुमति देता है।

President's Message

इसे थोड़ा और सरलता से कहने के लिए, एक धारणी एक मंत्र है जिसमें लालच, क्रोध और आत्म-केंद्रित विचारों को दबाने और आंतरिक बुद्ध मन को सक्रिय करने की शक्ति है।

पिछले किसी अंक में, मैंने एक मुहावरे का उल्लेख किया था, आतोमियो सोवाका ("आपने जो किया है उसकी समीक्षा करें, स्वाहा"), जो अठारहवीं शताब्दी के आरंभिक बुशियो पाठ के हागाकुरे ("पत्तियों से छिपा हुआ") से आता है। यह वाक्यांश हमें यह देखने और देखने की याद दिलाता है कि क्या हम कुछ भूल गए हैं, या अपने काम की दोबारा जाँच करें। दूसरे शब्दों में, यह एक धारणी है, जो हमें अपने कार्यों की समीक्षा करने का आग्रह करती है। जैसा कि स्वाहा बुद्ध का आह्वान करने वाला एक शब्द है, जिसका अर्थ "पूरी तरह से एक लक्ष्य को पूरा करना" है, यह हमारे आंतरिक बुद्ध को बुलाता है और स्विच को चालू करता है, जो हमें अपने बुद्ध मन में लौटाता है।

जब मुझे लगता है कि रक्त मेरे सिर तक उठने वाला है, अपने मन में मैं निकोनिको हारा तात्सुमाइज़ोया सोवाका ("मुस्कुराओ, अपना आपा मत खोओ, स्वाहा") का जप करता हूँ। ऐसा करने से भावनाओं की लहर शांत हो जाती है और मैं कुछ खेदजनक कहने या करने से बच सकता हूँ।

चाहे आप कितने भी दृढ़-इच्छा वाले क्यों न हों, लालच, क्रोध, और अज्ञानता के प्रलोभनों को दूर करना कठिन है, जिनकी तुलना राक्षसों से की जाती है। हालाँकि, जब तक आपके पास एक "धारणी" स्विच है, जो आत्म-प्रतिबिंब को चालू करता है, जब भी आपके मन में दरारें बनने लगती हैं, तो आप दानव के हरकत में आने से पहले दरारों को सील कर सकते हैं और अपने मन के फ्रेम को बदल सकते हैं।

मेरी समझ में, "धारणी" परिवर्तन हमें सिखाता है कि यह कैसे करना है, क्योंकि यद्यपि हमने बोधिसत्व मार्ग का अनुसरण करने का व्रत लिया है, हम अक्सर भ्रमित या चिंतित हो जाते हैं। जबकि धारणी का पारंपरिक उपयोग कठिन शब्दों को उनके अर्थ या तर्क को समझे बिना जाप करके इच्छा को पूरा करने पर केंद्रित है, सभी धारणियों में हमें परिश्रम से अभ्यास के मार्ग पर वापस लाने और हमें प्रेरित करने की शक्ति है।

तो फिर, आपके स्वयं की धारणी क्या है? यह कुछ ऐसा है जिसे आप तैयार करते हैं और जो आपके मन में बनने वाली किसी भी दरार को सील करने में आपकी मदद करता है।

From Kosei, August 2021.

कॉमिक्स के माध्यम से रिश्शो कोसेइ काइ का परिचय

'पुण्डरीक सूत्र को जीना' के इस अंक से आरंभ करते हुए, हम रिश्शो कोसेइ काइ को समझने में आसान, मजेदार प्रारूप में पेश करने के लिए कॉमिक्स का उपयोग करेंगे। हर महीने का अंक कुछ नया सिखायेगा और संस्थापक के जीवन, शाक्यमुनि के जीवन और बौद्ध धर्म की शिक्षाओं और रिश्शो कोसेइ काइ के इतिहास, घटनाओं, प्रथाओं और शांति गतिविधियों के बारे में कहानियों को सम्मिलित करेगा। कृपया पहले अंक का आनंद लें।

संस्थापक का जीवन और रिश्शो कोसेइ काइ का इतिहास

संस्थापक किस प्रकार के व्यक्ति थे?

रिश्शो कोसेइ काइ के संस्थापक श्रद्धेय निचिको निवानो, सदा मुस्कराते हुए सदस्यों से बात करते थे और पुण्डरीक सूत्र के सम्बन्ध इस तरीके से बताते थे, जो सहज ही समझ में आता था।

संस्थापक का जन्म 1906 में निगाता प्रान्त के सुगानुमा, टोकामाची शहर में हुआ था। प्राथमिक विद्यालय से उत्तीर्ण होने के ठीक बाद, उन्होंने काम करना शुरू कर दिया। कुछ वर्षों बाद, वे अपने गृहनगर को छोड़कर टोक्यो आ गये। टोक्यो में, कड़ी मेहनत करते हुए, उन्होंने अनेक लोगों को पीड़ा से मुक्त करने की अपनी इच्छा को प्राप्त करने के लिए विभिन्न धर्मों के माध्यम से प्रयत्न किया। जब पुण्डरीक सूत्र से सामना हुआ, उन्हें विश्वास हो गया कि यह वह शिक्षा है जो सभी लोगों को मुक्ति दिला सकती है। उन्होंने 1938 में रिश्शो कोसेइ काइ की स्थापना की।

उस समय से, संस्थापक ने पुण्डरीक सूत्र की धर्मदेशनाओं को अनेक लोगों को समझाया और उन्हें खुशी पाने की ओर निर्देशित किया।

संस्थापक निवानो ने एक उदीप्त समाज के निर्माण के लिए आन्दोलन चलाने की भी वकालत की, जिसका उद्देश्य सामुदायिक स्तर पर लोगों के सहयोग के माध्यम से मएकसद्भावना का विस्तार करके पूरे जापानी समाज में योगदान करना है। उन्होंने विश्व धर्मगुरुओं को संबोधित किया और विश्व शांति का एहसास करने के लिए अंतर्धार्मिक संवाद को बढ़ावा दिया।

1999 में, 92 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया।



* इस सामग्री का कोई भी पुनरुत्पादन या पुनर्प्रकाशन व्यक्तिगत, गैर-व्यावसायिक और सूचनात्मक उपयोग के लिए पुनरुत्पादन के अलावा निषिद्ध है।

दादाजी की शिक्षा



जब संस्थापक (शिकाजो निवानो का जन्म) बच्चा थे, वे अपने दादा, जुतारो निवानो के करीब थे। उनके दादाजी संस्थापक को गर्मजोशी से देखते, क्योंकि वे हर दिन खेलने में सक्रिय थे।

सर्दियों के दिनों में, संस्थापक अक्सर बर्फ में खेलकर ठंड का अनुभव होते ही घर आ जाते थे। उनके दादाजी उनके ठंडे गीले कपड़े उतार देते थे और उनकी त्वचा को गर्माहट देने के लिए उन्हें अपनी पीठ पर बिठाते थे। हर बार, दादाजी उनसे कहते, “बड़े होकर एक ऐसा आदमी बनो जो दूसरों का भला करे।”

बाद में अपने जीवन में, संस्थापक ने अक्सर इस कहानी को यह कहते हुए सुनाया कि उनके दादा के शब्द एक मुख्य कारण था कि वे एक ऐसे व्यक्ति बन गए जो दूसरों को बुद्ध मार्ग सिखाते हैं।



क्या तुम्हें पता था?

संस्थापक के दादा गाँव में एक अपरिहार्य व्यक्ति थे, जहाँ डॉक्टर नहीं थे। जब कोई चिकित्सा की आपात स्थिति होती, तो वह तुरंत बीमार व्यक्ति के पास जाते और उपचार करते, जिसमें अक्सर मोक्सीबस्टन (एक प्रकार की पारंपरिक चीनी दवा जिसमें शरीर के विशेष बिंदुओं पर सूखे मगवॉर्ट को जलाना शामिल होता है) शामिल होता है।



Director's Column

अद्भूत धारणियों से प्राप्त

रेवरेन्ट केइइची आकागावा
निदेशक, रिश्शो कोसेइ काइ इन्टरनेशनल

इस महीने के लिए अपने संदेश में, प्रेसिडेण्ट निचिको निवानो ने पुण्डरीक सूत्र के परिवर्त-२६ के "धारणियों" पर चर्चा की है। इसके सम्बन्ध, मैं एक व्यक्तिगत अनुभव साझा करना चाहूँगा, जिसे मैंने और मेरी पत्नी ने अनुभव किया है। इसने हमें जो अनुभव कराया है, उसे प्रेसिडेण्ट अपने संदेश में कह रहे हैं, धारणी रहस्यमय शब्द है जो आपको सीधे बुद्ध की सीमा में प्रवेश करने की अनुमति देता है।

अठारह वर्ष पूर्व हमारा परिवार हमारे वर्तमान आवास में चला गया। हमारे पड़ोस में, मुख्य सड़कों का एक चौराहा है, जहाँ यातायात बहुत अधिक है। हालाँकि चारों कोनों पर ट्रैफिक लाइट है और सारी चीजें स्पष्ट हैं, जब हम पहली बार वहाँ आए थे, तो टक्कर की दुर्घटनाएँ अक्सर होती थीं। मैं और मेरी पत्नी दोनों हर बार डर जाते थे जब हम किसी कार दुर्घटना की तेज आवाज और फिर एम्बुलेंस के सायरन की आवाज सुनते थे।

गुजरने वाली कारों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करने की इच्छा के साथ, मेरी पत्नी अपने सूत्र पाठ के हिस्से के रूप में हर सुबह और शाम को दस बार धारणियों का जाप करने का अभ्यास करती थीं। ऐसा वह अब भी रोज करती हैं। उसके इस अभ्यास को प्रारंभ करने के एक वर्ष के भीतर दुर्घटनाएँ पूरी तरह से बंद हो गईं, यह हमारे लिए आश्चर्य है।

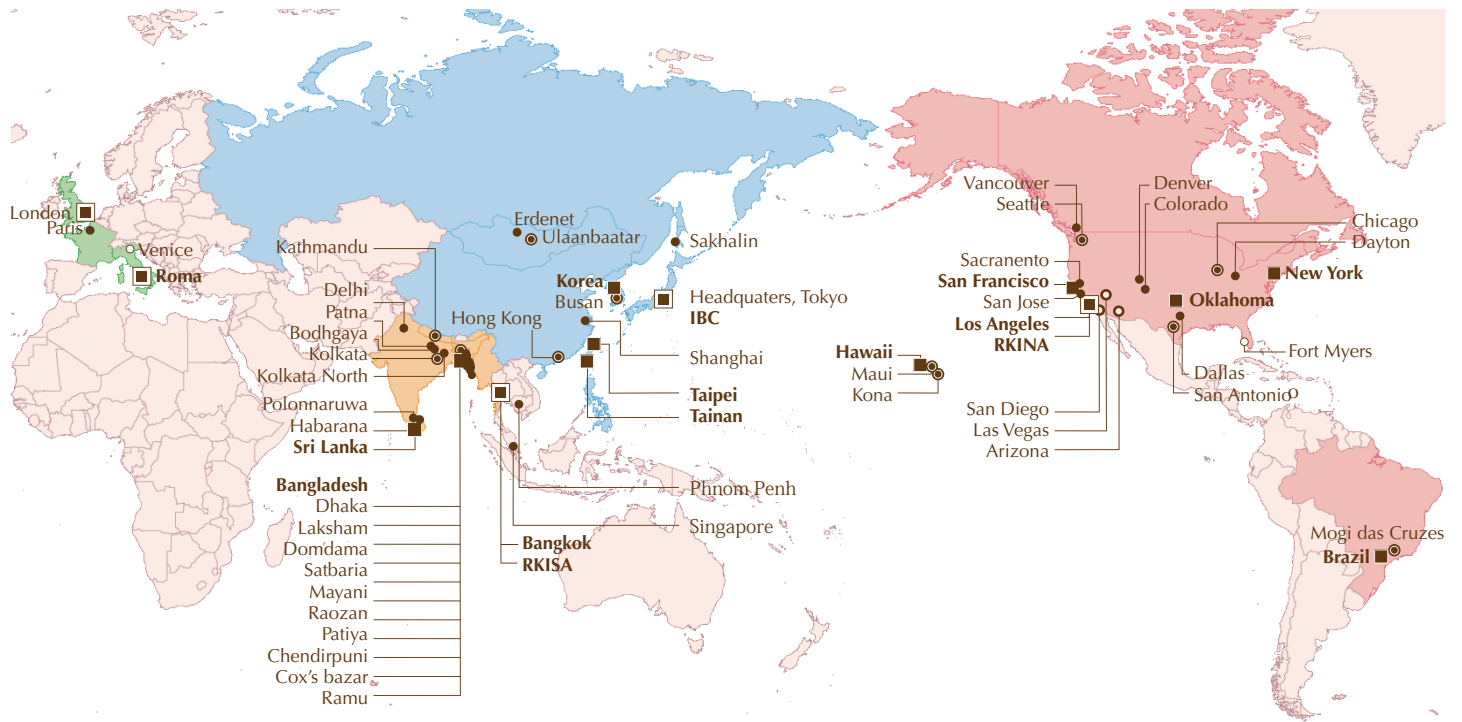
मैं नहीं जानता कि कैसे धारणियों के जाप से टक्कर की दुर्घटनायें रुक गयी, हो सकता है कि यह मेरी पत्नी की गंभीर प्रार्थना रही हो, जिससे यह आश्चर्य हुआ हो।

हालाँकि, जो सबसे अधिक हमारे लिए रहस्यमय है, वह यह है कि पति और पत्नी के बीच टकराव भी बंद हो गया है, जिसे अब हम स्वीकारते हैं और धारणियों की रहस्यमय शक्ति को धन्यवाद अर्पित करते हैं, जो हमें अपने मन को बहुत बार प्रतिबिंबित करने में सक्षम बनाता है।



We welcome comments on our newsletter Living the Lotus: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

Rissho Kosei-kai: A Global Buddhist Movement



Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, USA
 TEL: 1-808-455-3212 FAX: 1-808-455-4633
 Email: sangha@rkhawaii.org URL: <http://www.rkhawaii.org>

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center

1809 Nani Street, Wailuku, HI 96793, USA
 TEL: 1-808-242-6175 FAX: 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center

73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, USA
 TEL: 1-808-325-0015 FAX: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, USA
 POBox 33636, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-269-4741 FAX: 1-323-269-4567
 Email: rk-la@sbcglobal.net URL: <http://www.rkina.org/losangeles.html>

Please contact Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas**

Rissho Kosei-kai of San Francisco

1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, USA
 POBox 778, Pacifica, CA 94044, USA
 TEL: 1-650-359-6951 Email: info@rksf.org

Please contact Rissho Kosei-kai of San Francisco

- Rissho Kosei-kai of Sacramento**
- Rissho Kosei-kai of San Jose**

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, USA
 TEL: 1-212-867-5677 Email: rkny39@gmail.com URL: <http://rk-ny.org>

Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, USA
 TEL: 1-773-842-5654
 Email: murakami4838@aol.com URL: <http://rkchi.org>

Rissho Kosei-kai of Fort Myers

URL: <http://www.rkftmyersbuddhism.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

2745 N.W. 40th St., Oklahoma City, OK 73112, USA
 POBox 57138, Oklahoma City, OK 73157, USA
 TEL: 1-405-943-5030 FAX: 1-405-943-5303
 Email: rkokdc@gmail.com URL: <http://www.rkok-dharmacenter.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Denver

1255 Galapago St. #809 Denver, CO 80204, USA
 TEL: 1-303-446-0792

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

617 Kling Drive, Dayton, OH 45419, USA
 URL: <http://www.rkina-dayton.com>

The Buddhist Center Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First St., Suite #1, Los Angeles, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-262-4430 FAX: 1-323-269-4567
 Email: dharmasa@rksabuddhistcenter.org
 URL: <http://rksabuddhistcenter.org>

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio

(Address) 6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, USA
 (Mail) POBox 692148, San Antonio, TX 78249, USA
 TEL: 1-210-558-4430 FAX: 1-210-696-7745
 Email: dharmasanantonio@gmail.com
 URL: <http://www.rkina.org/sanantonio.html>

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center

28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, USA
 TEL: 1-253-945-0024 Email: rkseattlewashington@gmail.com
 URL: <http://buddhistlearningcenter.org>

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Please contact RKINA

Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP, CEP 04116-060, Brasil
 TEL: 55-11-5549-4446, 55-11-5573-8377
 Email: risho@rkk.org.br URL: <http://www.rkk.org.br>

Rissho Kosei-kai de Mogi das Cruzes

Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP, CEP 08730-000, Brasil

在家佛教韓國立正佼成會

〒 04420 大韓民國 SEOUL 特別市龍山區漢南大路 8 路 6-3
6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea
TEL: 82-2-796-5571 FAX: 82-2-796-1696

在家佛教韓國立正佼成會釜山支部

〒 48460 大韓民國釜山廣域市南區水營路 174, 3F
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea
TEL: 82-51-643-5571 FAX: 82-51-643-5572

社團法人在家佛教立正佼成會

台灣台北市中正區衡陽路 10 號富群資訊大廈 4 樓
4F, No. 10, Hengyang Road, Jhongheng District, Taipei City 100, Taiwan
TEL: 886-2-2381-1632, 886-2-2381-1633 FAX: 886-2-2331-3433

台南市在家佛教立正佼成會

台灣台南市東區崇明 23 街 45 號
No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
TEL: 886-6-289-1478 FAX: 886-6-289-1488
Email: koseikaitainan@gmail.com

Rissho Kosei-kai South Asia Division

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Kathmandu

Ward No. 3, Jhamsikhel, Sanepa-1, Lalitpur, Kathmandu, Nepal

Rissho Kosei-kai of Kolkata

E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar, Kolkata 700094, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North

AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center

Ambedkar Nagar, West Police Line Road, Rumpur, Gaya-823001,
Bihar, India

Rissho Kosei-kai of Patna Dharma Center

Please contact Rissho Kosei-kai of Kolkata

Rissho Kosei-kai of Central Delhi

77 Basement D.D.A. Site No. 1, New Rajinder Nagar,
New Delhi 110060, India

Rissho Kosei-kai of Singapore

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Phnom Penh

W.C. 73, Toul Sampaov Village, Sangkat Toul Sangke, Khan Reouseykeo,
Phnom Penh, Cambodia

RKISA Rissho Kosei-kai International of South Asia

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Bangkok

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8216 FAX: 66-2-716-8218 Email: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei Dhamma Foundation

No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka
TEL: 94-11-2982406 FAX: 94-11-2982405

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa

Please contact Rissho Kosei Dhamma Foundation

Rissho Kosei-kai Bangladesh

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
TEL: 880-2-41360470

Rissho Kosei-kai Mayani

Mayani Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Damdama

Damdama Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Satbaria

Village: Satbaria Bepari Para, Chandanaih, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Chendhirpuni

Village: Chendhirpuni, P.O.: Adhunogar, P.S.: Lohagara, Chittagong,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai Raozan

Dakkhin Para, Ramzan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Laksham

Village: Dhupchor, Laksham, Comilla, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Dhaka

408/8 DOSH, Road No 7 (West), Baridhara, Dhaka, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Cox's Bazar

Ume Burmize Market, Tekpara, Sadar, Cox's Bazar, Bangladesh

Please contact Rissho Kosei-kai Bangladesh

Rissho Kosei-kai Patiya**Rissho Kosei-kai Ramu****Rissho Kosei-kai Aburkhiln****Buddiyskiy khram "Lotos"**

4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk 693005, Russia
TEL: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai of Hong Kong

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road, North Point, Hong Kong, China

Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai**Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar**

(Address) 15F Express Tower, Peace avenue, khoro-1, Chingeltei district,
Ulaanbaatar 15160, Mongolia
(Mail) POBox 1364, Ulaanbaatar-15160, Mongolia
TEL: 976-70006960 Email: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Erdenet

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai di Roma

Via Torino, 29, 00184 Roma, Italia
TEL/FAX: 39-06-48913949 Email: roma@rk-euro.org

Please contact Rissho Kosei-kai di Rome

Rissho Kosei-kai of Paris**Rissho Kosei-kai of Venezia****Rissho Kosei-kai of the UK**

29 Ashbourne Road, London W5 3ED, UK
TEL: 44-20-8933-3247 Email: info@rkuk.org URL: <https://www.rkuk.org>
Facebook: <https://www.facebook.com/rkuk.official>
Twitter: https://twitter.com/rkuk_official
Instagram: https://www.instagram.com/rkuk_official

Rissho Kosei-kai International Buddhist Congregation (IBC)

166-8537 東京都杉並区和田 2-7-1 普門メディアセンター 3F
Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan
TEL: 03-5341-1230 FAX: 03-5341-1224 URL: <http://www.abc-rk.org>